इकाई -I

1 जिस देश में गंगा बहती है...

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. चित्र में पक्षी किसका सूचक है?
3. इस चित्र से हमें क्या संदेश मिलता है?

उद्देश्य

हमारा भारत महान देश है। यहाँ गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियाँ बहती हैं। भारतवासी सत्य, अहिंसा, धर्म, न्याय, परोपकार, सद्भावना, मानवता आदि महान गुणों की पहचान हैं। इसे बनाये रखना हर भारतीय का कर्तव्य है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
2. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
3. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

© NCERT not to be republished

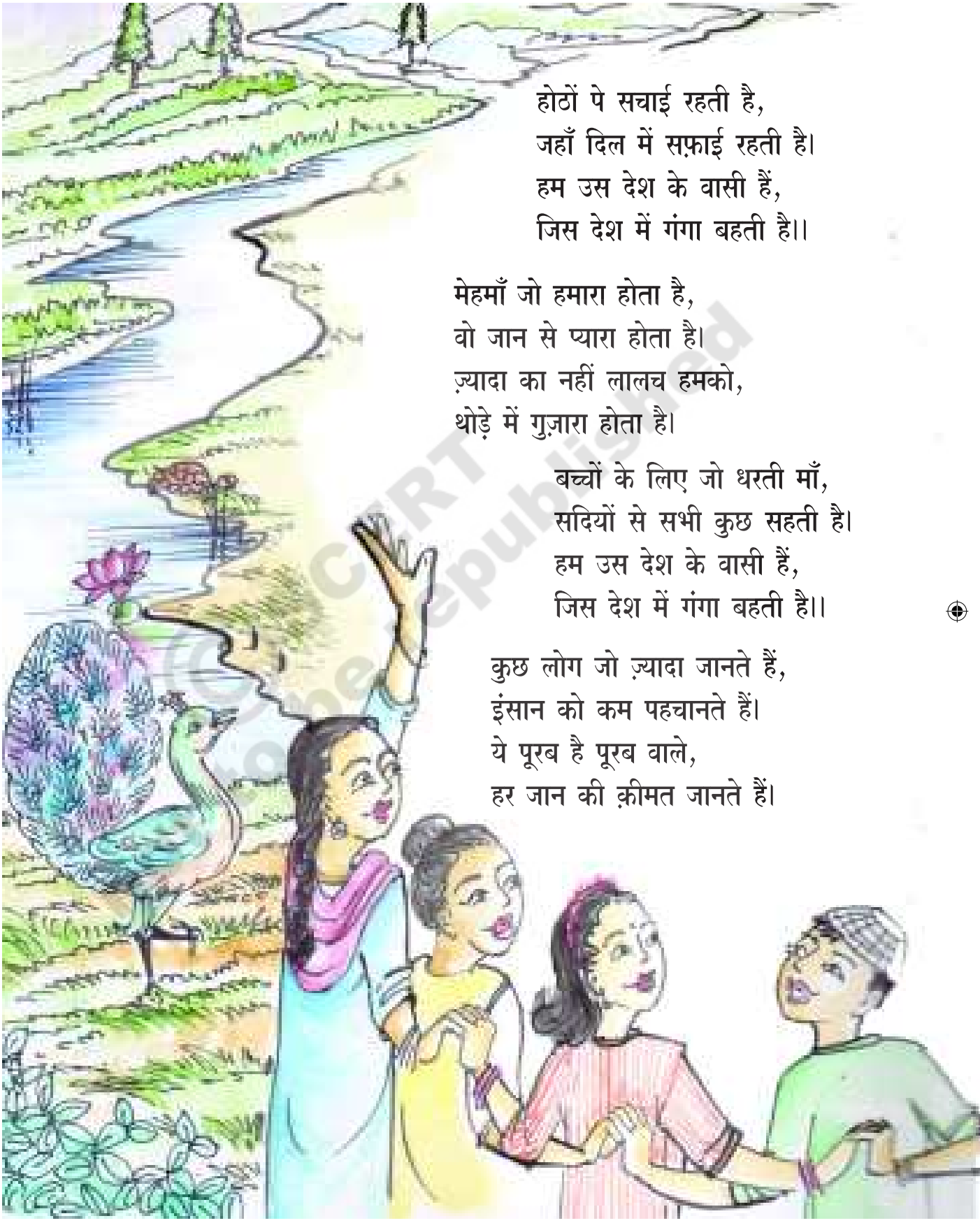

होठों पे सचाई रहती है,
जहाँ दिल में सफ़ाई रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

मेहमाँ जो हमारा होता है,
वो जान से प्यारा होता है।
ज़्यादा का नहीं लालच हमको,
थोड़े में गुज़ारा होता है।

बच्चों के लिए जो धरती माँ,
सदियों से सभी कुछ सहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

कुछ लोग जो ज़्यादा जानते हैं,
इंसान को कम पहचानते हैं।
ये पूरब है पूरब वाले,
हर जान की क़ीमत जानते हैं।

© NCERT not to be republished

मिलजुल के रहो और प्यार करो,
एक चीज़ यही तो रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

जो जिससे मिला सीखा हमने,
ग़ैरों को भी अपनाया हमने।
मतलब के लिए अंधे होकर,
रोटी को नहीं पूजा हमने।

अब हम तो क्या सारी दुनिया,
सारी दुनिया से कहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

होठों पे सचाई रहती है,
जहाँ दिल में सफ़ाई रहती है।
हम उस देश के वासी हैं,
जिस देश में गंगा बहती है।।

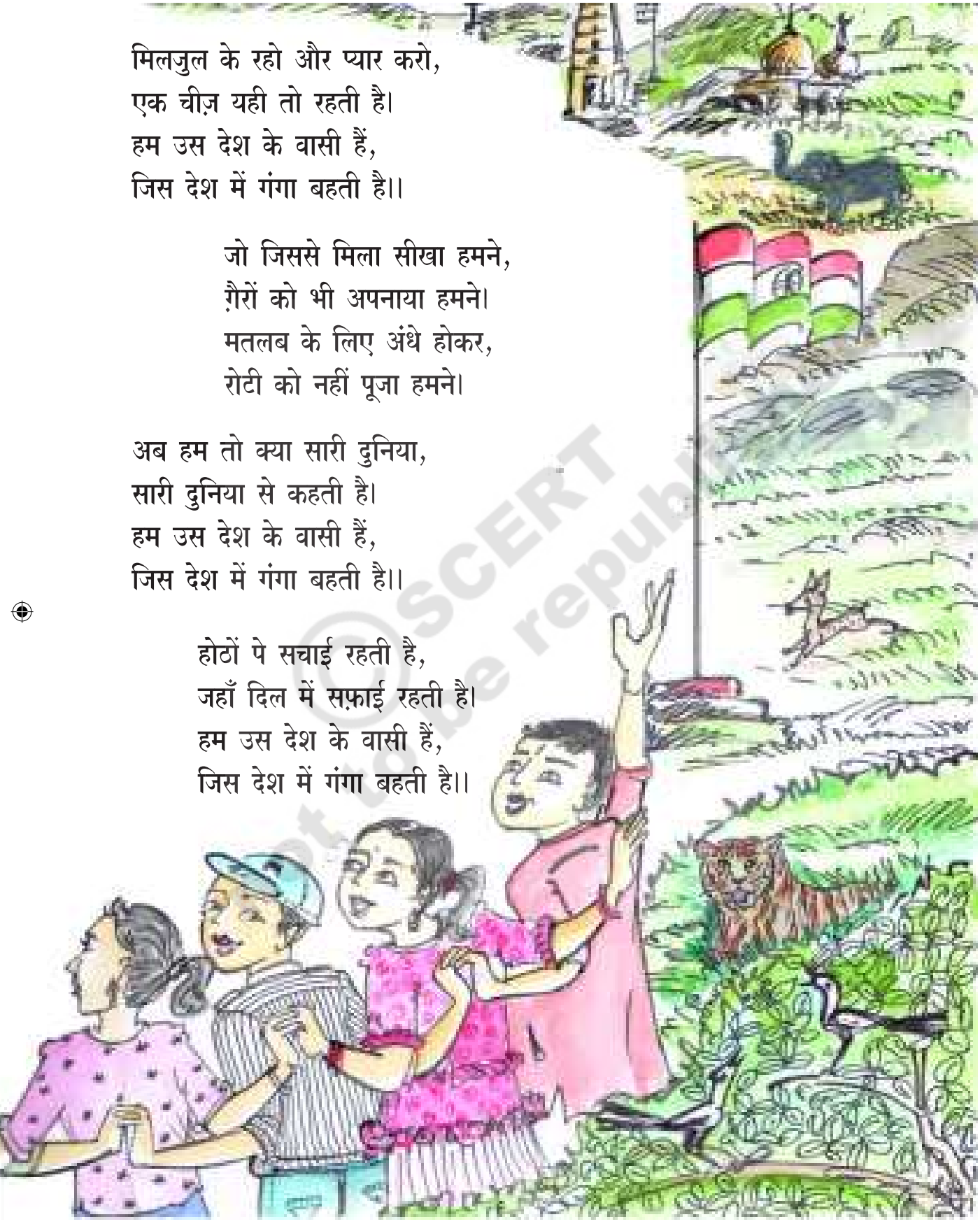

© SCERT not to be republished

कवि : शैलेंद्र कुमार
जीवनकाल : 1923 - 1966
विशेषताएँ : कई प्रसिद्ध फिल्मी गीतों की रचना
तीन बार फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. भारतीयों के बारे में कवि ने क्या कहा है?
2. भारत में बहने वाली कुछ नदियों के बारे में बताइए।

(आ) पाठ पढ़िए। अभ्यास-कार्य कीजिए।

- **कविता के आधार पर उचित क्रम दीजिए।**

एक चीज़ यही तो रहती है ( )
मिलजुल के रहो और प्यार करो (1)
जिस देश में गंगा बहती है ( )
हम उस देश के वासी हैं ( )

- **भाव से संबंधित कविता की पंक्तियाँ लिखिए।**

1. विश्व के मानचित्र में भारत पूरब में है। इसलिए भारतीयों को पूरब वासी भी कहते हैं। हमारे यहाँ इंसानियत को अधिक महत्व दिया जाता है।
2. हम ज्ञान को महत्व देते हैं। हमने सबसे कुछ न कुछ सीखा है। अंग्रेज़ों को भी अपनाया है। अपने लाभ के लिए किसी को हानि नहीं पहुँचायी।

- **पंक्तियाँ पढ़िए। भाव बताइए।**

भारत माँ की आँख के तारो!
नन्हें-मुन्ने राजदुलारो!
जैसे मैंने तुमको सवाँरा,
वैसे ही तुम देश सवाँरो।।

अपना किसी से वैर न समझो,
जग में किसी को ग़ैर न समझो।
आप पढ़ो, औरों को पढ़ाओ,
घर-घर ज्ञान की जोत जलाओ।।

© NCERT not to be republished

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए।

1. भारतीयों की क्या विशेषता होती है?
2. हम अपने मेहमान के साथ कैसा व्यवहार करते हैं?
3. 'हर जान की क़ीमत जानते हैं।' इसका भाव स्पष्ट कीजिए।

(आ) इस गीत का सार अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) देशभक्ति भावना पर चार पंक्तियों की कविता लिखिए।

(ई) इस गीत में आपको कौनसी बातें बहुत अच्छी लगीं? क्यों?

भाषा की बात

(अ) उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

यह + में - इसमें उदा- भारत देश महान है। **<u>इस देश में</u>** अनेक नदियाँ बहती हैं।

वह + में - उसमें .....

क्या + में - किसमें .....

जो + में - जिसमें .....

(आ) मुहावरों के भाव बताइए।

जान से प्यारा होना .....

मतलब की रोटी पूजना .....

मतलब के लिए अंधे होना .....

(इ) नीचे दिये गये वाक्यों की वाक्य रचना समझिए।

1. हम भारत के वासी हैं। 2. हमारे होठों पर सचाई रहती है। 3. हमारे दिल में सफ़ाई रहती है। 4. हम हर जान की क़ीमत जानते हैं।	ये वाक्य स्वतंत्र रूप से बने हैं। इनमें किसी दूसरे वाक्य का मेल नहीं है। ऐसे वाक्यों को **सरल वाक्य** कहते हैं।

© SCERT not to be republished

1. हम भारत के वासी हैं और भारत देश हमारा है। 2. हमारे होठों पर सचाई रहती है और दिल में सफ़ाई रहती है। 3. भारत में अनेक धर्म हैं फिर भी हम सब एक हैं।	इन वाक्यों में दो सरल वाक्यों का मेल हुआ है। इस तरह दो वाक्यों के मेल से बने वाक्यों को **संयुक्त वाक्य** कहते हैं।

1. मेहमाँ जो हमारा होता है, वो जान से प्यारा होता है। 2. हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है।	यहाँ सरल वाक्य के साथ उपवाक्य (आश्रित वाक्य) का मेल हुआ है। सरल वाक्य के साथ किसी आश्रित वाक्य का मेल हो तो उसे **मिश्रित वाक्य** कहते हैं।

(ई) नीचे दिये गये वाक्यों की वाक्य रचना पहचानिए।

1. हम नवीं कक्षा के छात्र हैं।
2. हम अपना भविष्य बनायेंगे और देश की सेवा करेंगे।
3. जो जितनी मेहनत करेगा वह उतना ही आगे बढ़ेगा।

परियोजना कार्य

गंगा भारत की राष्ट्र नदी है। तालिका में दिये गये राष्ट्रीय चिह्नों के नाम लिखिए। किसी एक का चित्र उतारकर पाँच वाक्य लिखिए। दीवार पत्रिका पर चिपकाइए।

राष्ट्र ध्वज	राष्ट्र फूल
राष्ट्र गान	राष्ट्र फल
राष्ट्र गीत	राष्ट्र पक्षी
राष्ट्र वृक्ष	राष्ट्र पशु

हिंदी सारे भारत को एकता के सूत्र में बाँधती है।

© SCERT not to be republished

2 गाने वाली चिड़िया

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. देश के विकास में किसान का क्या महत्व है?
3. किसान व मज़दूरों के प्रति हमारा क्या कर्तव्य है?

उद्देश्य

समाज में किसान व मज़दूरों का भी महत्वपूर्ण स्थान है। वे हमारे जीवन के आधार हैं। इनके प्रति स्नेह, प्रेम, सहानुभूति आदि रखना और इनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है। इसके साथ-साथ पशु-पक्षियों का संरक्षण करना भी हमारा धर्म है।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
2. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
3. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

एक राजा था। वह बहुत ही सुंदर महल में रहता था। उसे अपने महल पर बहुत गर्व था। संसार के कोने-कोने से यात्री महल देखने आते थे। यात्रियों ने अपने यात्रा वर्णन में महल की सुंदरता के बारे में कई बातें लिखीं। उन्होंने एक गाने वाली चिड़िया के बारे में भी लिखा था। यह चिड़िया महल के पास वाले जंगल में रहती थी और बहुत मधुर स्वर में गाती थी।

राजा ने इस चिड़िया को कभी नहीं देखा था। यात्रियों द्वारा लिखे गये यात्रा वर्णन पढ़ने से राजा को चिड़िया के बारे में पता चला। राजा ने उस चिड़िया को देखना चाहा। इसीलिए अपने सेवकों को बुलाकर कहा, ''तुम लोगों ने कभी मुझे गाने वाली चिड़िया के विषय में नहीं बताया। जाओ! जंगल से उस चिड़िया को पकड़ लाओ। मैं उसका गाना सुनना चाहता हूँ।''

राजा के सेवकों ने भी उस चिड़िया को कभी नहीं देखा था और न ही पूरे दरबार में कोई इस विषय के बारे कुछ जानता था। चिड़िया को ढूँढ़ने सैनिक जंगल में गये। ढूँढ़ते-ढूँढ़ते उन्हें एक लड़की मिली, जिसने चिड़िया को गाते हुए देखा था। गाने वाली चिड़िया का नाम लेते ही वह बोली, ''हाँ-हाँ मैं जानती हूँ उस गाने वाली चिड़िया को। ओह! वह कितने मधुर स्वर में गाती है। जब मैं यहाँ से काम समाप्त करके संध्या समय घर लौटती हूँ तो वह मुझे रास्ते भर अपना मीठा-मीठा गाना सुनाती है। इससे मेरी सारी थकान दूर हो जाती है।''

सैनिकों के अनुरोध पर लड़की ने चिड़िया को आवाज़ दी, ''मेरी छोटी सुंदर चिड़िया! हमारे राजा तुम्हारा मधुर संगीत सुनना चाहते हैं। क्या तुम उन्हें अपना गाना सुनाओगी?''

लड़की की बातें सुनकर चिड़िया बोली, ''मेरा संगीत तो इन हरे-भरे जंगलों, खेतों में अच्छा लगता है। फिर भी मैं राजा को अपना गाना अवश्य सुनाऊँगी।''

अगले दिन दरबार लगा हुआ था। लड़की सहित सभी उपस्थित थे। तभी उड़ती हुई चिड़िया वहाँ आयी और अपनी मधुर आवाज़

© NCERT not to be republished

में गाने लगी। उसका गाना सुन कर सभी मुग्ध हो गए। राजा की आँखों में तो खुशी के आँसू आ गये। वे बोले, ''प्यारी चिड़िया! तुम यहीं हमारे पास रहो। जो तुम माँगोगी, वह तुम्हें मिलेगा'' चिड़िया बोली, ''महाराज! मैं आप के पास रहूँगी। मैंने आपकी आँखों में खुशी के आँसू जो देखे हैं।'' चिड़िया के लिए सोने का पिंजरा बनवाया गया। जिस किसी चीज़ की वह इच्छा करती, राजा उसे पूरा करता। सारे राज्य में उस चिड़िया के संगीत की धूम मच गई।

एक दिन चिड़िया को खेतों में मेहनत करने वाले किसानों की याद आयी। उन सबसे मिलने वह खेतों की ओर निकल पड़ी। जब राजा को चिड़िया दिखायी नहीं दी, तो वह दुखी हुआ और अस्वस्थ हो गया। सारी प्रजा राजा की अस्वस्थता के बारे में चिंतित थी। सभी सोचने लगे कि राजा को कैसे बचा लें?

एक दिन राजा ने कमज़ोर आवाज़ में कहा, ''संगीत..! संगीत..! चिड़िया का गाना सुनवाओ।'' सभी दरबारी सोचने लगे कि चिड़िया को कैसे बुलायें? तभी उन्हें मधुर संगीत सुनायी दिया। वे सब आवाज़ की ओर देखने लगे। चिड़िया अपनी मधुर आवाज़ में गा रही थी। यह देखते ही सबकी जान में जान आ गयी।

किसानों के द्वारा चिड़िया ने राजा की अस्वस्थता के बारे में सुन लिया था। तुरंत वह राजा को अपना संगीत सुनाने आ पहुँची। जैसे-जैसे वह गाना गाती, वैसे-वैसे राजा की अस्वस्थता दूर होती। धीरे-धीरे राजा स्वस्थ हो गये। वे चिड़िया से बोले, ''प्यारी चिड़िया मेरे पास लौट आओ। मैं तुम्हें हमेशा राजमहल में रखूँगा।'' चिड़िया बोली, ''नहीं महाराज! मुझे अपना संगीत मेहनत करने वालों को भी सुनाना है। मैं हर दिन यहाँ आऊँगी। आपको भी अपना संगीत सुनाऊँगी।''

चिड़िया की बातों ने राजा पर गहरा असर डाला। राजा ने कहा, ''वाह! तुम महान हो चिड़िया! तुम मज़दूरों और किसानों के लिए राजमहल का सुख त्याग सकती हो, तो क्या मैं उनके लिए कुछ नहीं कर सकता...?'' चिड़िया बोली, ''क्यों नहीं महाराज! मज़दूरों और किसानों के बारे में सोचना और उनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है। क्योंकि वे हमारे सुखदाता और अन्नदाता हैं।''

© SCERT not to be republished

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. कुछ पक्षियों के नाम बताइए।
2. ''संगीत मनोरंजन का एक साधन है।'' इस के बारे अपने विचार बताइए।

(आ) पाठ पढ़िए। अभ्यास-कार्य कीजिए।

- **वाक्यों को सही क्रम दीजिए।**

1. लड़की सहित सभी उपस्थित थे। ( )
2. राजा की आँखों में तो खुशी के आँसू आ गये। ( )
3. तभी उड़ती हुई चिड़िया वहाँ आयी और अपनी मधुर आवाज़ में गाने लगी। ( )
4. उसका गाना सुन कर सभी मुग्ध हो गये। ( )
5. अगले दिन दरबार लगा हुआ था। (1)

- **किसने-किससे कहा-**

1. तुम लोगों ने कभी मुझे गाने वाली चिड़िया के विषय में नहीं बताया।
2. हमारे राजा तुम्हारा मधुर संगीत सुनना चाहते हैं।
3. मुझे अपना संगीत मेहनत करने वालों को भी सुनाना है।

- **अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

भारत सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सन् 1972 में 'वन्य प्राणी सुरक्षा अधिनियम 1972' बनाकर सभी राज्यों में वन्य प्राणियों के शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया है एवं वन्य जीवों के स्वच्छंद विचरण के लिए देश के विभिन्न भागों में 69 राष्ट्रीय उद्यानों, 399 अभयारण्यों एवं 35 प्राणी उद्यानों का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही दुर्लभ प्रजाति के वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए *प्रोजेक्ट टाइगर* जैसी योजनाएँ आरंभ की गयी हैं।

1. भारत सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण के लिए कौनसा अधिनियम बनाया है?
2. यहाँ पर कितने राष्ट्रीय उद्यानों की संख्या बतायी गयी है?
3. बाघों की सुरक्षा के लिए कौनसी योजना कार्य कर रही है?

© SCERT not to be republished

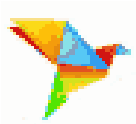

अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए।

1. राजा को चिड़िया से लगाव क्यों था?
2. चिड़िया ने राजा को क्या सीख दी?
3. 'दूसरों के काम आने में ही जीवन का सच्चा सुख निहित है।' इस बारे में अपने विचार बताइए।

(आ) 'गाने वाली चिड़िया' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) 'गाने वाली चिड़िया' कहानी संवाद के रूप में लिखिए।

(ई) 'गाने वाली चिड़िया' कहानी आगे बढ़ाइए।

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गए मुहावरों के भाव समझिए।

1.जान में जान आना   2. खुशी के आँसू आना

(आ) अनुच्छेद पढ़िए। रेखांकित शब्दांशों पर ध्यान दीजिए।

राजा **ने** चिड़िया **को** प्यार **से** रखा। चिड़िया **को** देखने **के लिए** लोग दूर-दूर **से** आते थे। चिड़िया **का** मधुर गान सब **को** भाता था। चिड़िया का संगीत सुन कर सब मन में यही सोचते कि **हे** चिड़िया! तुम कितना मधुर गाती हो।

रेखांकित शब्दांश वाक्य में एक शब्द से दूसरे शब्द का संबंध जोड़ते हैं। इस तरह संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जाना जाता है, उसे **कारक** कहते हैं-

कारक	-	विभक्तियाँ
कर्ता कारक	-	ने
कर्म कारक	-	को
करण कारक	-	से, के द्वारा
संप्रदान कारक	-	के लिए, को
अपादान कारक	-	से
संबंध कारक	-	का, के, की
अधिकरण कारक	-	में, पर
संबोधन कारक	-	हे, अरे, अजी

© SCERT not to be republished

(इ) **रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारकों से कीजिए।**

1. राजा सुंदर महल ..... रहता था।
2. यात्रियों ..... अपने यात्रा वर्णन ..... महल ..... वर्णन किया।
3. राजा ..... चिड़िया ..... कभी नहीं देखा।
4. चिड़िया ..... सोने ..... पिंजरा बनवाया गया।
5. सेवकों ..... लड़की ..... पूछा।

परियोजना कार्य

वर्ग-पहेली में छिपे पक्षियों के नाम पहचानिए। किसी एक पक्षी के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए।

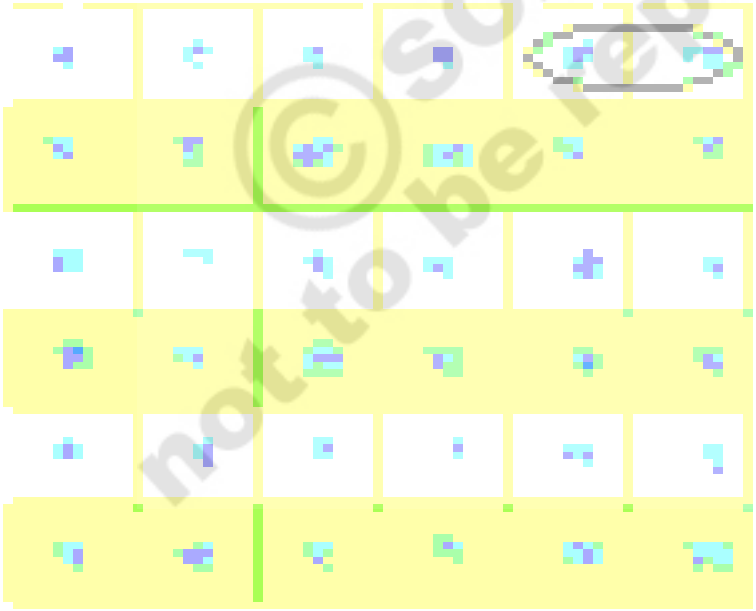

1.----------
2.----------
3.----------
4.----------
5.----------
6.----------
7.----------
8.----------

© SCERT not to be republished

श्रमिक की प्रसन्नता ही देश की प्रगति है। - कार्ल मार्क्स

3 बदलें अपनी सोच

प्रश्न

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़की क्या कर रही होगी?
3. प्रकृति का संरक्षण क्यों ज़रूरी है?

उद्देश्य

'सर्वे जनः सुखनो भवंतु' इसके लिए पर्यावरण एवं भूमि संरक्षण आवश्यक है। प्रकृति संरक्षण में हम सब अपनी-अपनी ज़िम्मेदारी निभा सकें।

छात्रों के लिए सूचनाएँ

1. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
2. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
3. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

© Not to be republished

संयुक्त राष्ट्र संघ में पहली बार ऐसा हुआ। तेरह वर्ष की एक लड़की ने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया। किसी के पास भी उसके सवालों का जवाब नहीं था। अपने सवालों से सबको सोचने पर मजबूर करने वाली उस लड़की का नाम युगरत्ना श्रीवास्तव है। भारत की इस लाडली पर सबको गर्व है।

सितंबर, 2009 में संयुक्त राष्ट्र संघ में युगरत्ना श्रीवास्तव ने भाषण देते हुए इस तरह कहा- ''हिमालय पिघलता जा रहा है। ध्रुवीय भालू मरते जा रहे हैं। हर पाँच में से दो व्यक्तियों को पीने का साफ़ पानी नहीं मिलता। आज हम उन पेड़-पौधों को खोने की कगार पर हैं, जो लुप्त होते जा रहे हैं। प्रशांत महासागर के पानी का स्तर बढ़ता ही जा रहा है।

क्या हम अपने भविष्य की पीढ़ी को यही देने जा रहे हैं? बिल्कुल नहीं। हमारे पूर्वजों ने हमें स्वच्छ और स्वस्थ ग्रह दिया था और हम क्या कर रहे हैं? हम अपने भविष्य की पीढ़ी को प्रदूषित और बिगड़ी हुई धरती देने जा रहे हैं? क्या ऐसा करना ठीक है? सोचो ध्यान लगाकर सोचो।

आदरणीय सभाजनो! अब समय आ गया है कि हम कुछ क़दम उठायें।

हमें अपनी धरती बचानी होगी। अपने लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी।

यह काम यहाँ नहीं होगा, तो कहाँ होगा? अब नहीं होगा, तो कब होगा? हम नहीं करेंगे, तो कौन करेगा?

हमारा आपसे निवेदन है- आप हमारी आवाज़ सुनें। भविष्य के लिए मज़बूत इरादों की ज़रूरत है। मज़बूत नेतृत्व की ज़रूरत है।

हाइटेक समाज बना लेने या बैंकों में करोड़ों रुपये जमा करने से हम अपनी धरती नहीं बचा सकते।

© NCERT not to be republished

यहाँ हम पर्यावरण की समस्या सुलझाने के लिए ही एकत्रित नहीं हुए हैं बल्कि लोगों की सोच बदलने के लिए भी एकत्रित हुए हैं।

अब हर बालक को पर्यावरण की शिक्षा के प्रति जागरूक करना होगा। हर कक्षा की किताबों में पर्यावरण के पाठ अवश्य होने चाहिए। विकास को रोकने के लिए मैं नहीं कहती। मैं यह कहना चाहती हूँ- जैवमित्र तकनीकों में बढ़ोतरी होनी चाहिए जो सस्ती और अच्छी हो। ऐसे संसाधनों का उपयोग होना चाहिए जो पुनः प्राप्त किये जा सकते हैं।

मैं दुनिया के सभी नेताओं से दो प्रश्न पूछना चाहती हूँ-

क्या पर्यावरणीय समस्याओं की पहचान किसी भौगोलिक, राजनैतिक सीमाओं और आयु समूहों के दायरे में होती है? मेरा उत्तर निश्चित तौर पर नहीं है। इसीलिए तो संयुक्त राष्ट्र संघ है। वे ऐसे मुद्दों पर एक-दूसरे से बातचीत करवायें। इस बातचीत में बच्चों और युवकों की आवाज़ भी शामिल की जाय।

यदि राष्ट्र की सुरक्षा, शांति और आर्थिक विकास ही आप के लिए ज़रूरी है, तो पर्यावरण बदलाव ज़रूरी मुद्दा क्यों नहीं होना चाहिए? मैं आशा करती हूँ कि संयुक्त राष्ट्र संघ मानवीय दृष्टिकोण से सोचेगा। पुरानी बातों को भुलाकर नये क़दम उठायेगा। अब हमारे हाथ में केवल वर्तमान और भविष्य हैं। अब हमें कुछ ऐसा करना होगा, जिससे भविष्य का संरक्षण हो।

आदरणीय नेता गण! जब आप कोई नीति बनायें तो हम नादान बच्चों और लुप्त होते जानवरों के बारे में भी सोचें।

महात्मा गाँधी ने कहा था- ''धरती के पास सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति करने की क्षमता है। किसी के लालच की नहीं।''

पक्षी आसमान में उड़ता है, मछली पानी में तैरती है, चीता तेज़ी से दौड़ता है लेकिन ईश्वर ने हमें वरदान के रूप में सोचने के लिए बुद्धि दी है। इससे हम परिवर्तन और सुधार दोनों ला सकते हैं। चलो अब हम आगे बढ़ें। अपनी जन्मभूमि को बचा लें... अपने घर को बचा लें... अपनी धरती को बचा लें...

धन्यवाद।''

© NCERT not to be republished

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

(अ) प्रश्नों के उत्तर बताइए।

1. संयुक्त राष्ट्र संघ के बारे में बताइए?
2. युगरत्ना के सवालों के बारे में अपने विचार बताइए।

(आ) वाक्यों को सही क्रम दीजिए।

1. हमें अपनी धरती बचानी होगी। ( )
2. अपने घर को बचा लें... अपनी धरती माँ को बचा लें... ( )
3. हर कक्षा की किताबों में पर्यावरण के पाठ अवश्य होने चाहिए। ( )
4. हमारे पूर्वजों ने हमें स्वच्छ और स्वस्थ ग्रह दिया था। (1)

(इ) अनुच्छेद पढ़िए। इसके आधार पर तीन प्रश्न बनाइए।

कहाँ से आता है हमारा पानी और फिर कहाँ चला जाता है हमारा पानी? हमने कभी इसके बारे में कुछ सोचा है? सोचा तो नहीं होगा शायद, पर इस बारे में पढ़ा ज़रूर है। भूगोल की किताब पढ़ते समय जलचक्र जैसी बातें हमें बतायी जाती हैं। बताते समय सूरज, समुद्र, बादल, हवा, धरती फिर बरसात की बूँदें और लो फिर बहती हुई एक नदी और उसके किनारे बसा तुम्हारा, हमारा घर, गाँव या शहर। चित्र के दूसरे भाग में यही नदी अपने चारों तरफ़ का पानी लेकर उसी समुद्र में मिलती दिखाई देती है।

(ई) इन प्रश्नों के उत्तर तीन वाक्यों में दीजिए।

1. पर्यावरण के बिगड़ने से क्या हानि होती है?
2. पर्यावरण संरक्षण में हम क्या योगदान दे सकते हैं?

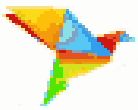

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

(अ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. पर्यावरण के बिगड़ने से कैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं?
2. जल संरक्षण कैसे किया जा सकता है?
3. युगरत्ना द्वारा उठाये गये प्रश्न कौन से हैं?

(आ) इस भाषण-लेख का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(इ) युगरत्ना की जगह अगर आप होते तो संयुक्त राष्ट्र संघ में क्या भाषण देते?

© SCERT not to be republished

(ई) युगरत्ना के भाषण में तुम्हें कौनसी बात सबसे अच्छी लगी और क्यों?

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ बताकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

1. संघ 2. ध्रुवीय 3. लुप्त 4. तकनीक 5. वरदान

सही अर्थ वाले शब्द से जोड़ी बनाइए।

पानी	भूमि	धरा	पृथ्वी
इकट्ठा	खुशहाल	आनंद	संतोष
धरती	एकत्रित	संचई	जमा करना
प्रफुल्लित	जल	वारि	नीर

सही अर्थ वाले शब्द के नीचे रेखा खींचिए।

1. मजबूर	=	बाध्य	खुशी	दुख
2. संसाधन	=	स्रोत	खजाना	रुपया
3. पक्षी	=	उड़ान	गगन	पंछी

(आ) नीचे दिये गये वाक्य पढ़िए। रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।

1. हमारे पूर्वजों ने हमें स्वच्छ **और** स्वस्थ ग्रह दिया।
2. अब समय आ गया है **कि** हम कुछ क़दम उठायें।
3. वर्तमान के लिए ही नहीं, **बल्कि** भविष्य के लिए भी।
4. यह काम यहाँ नहीं होगा **तो** कहाँ होगा।
5. किसी **के पास** भी लड़की के सवालों का जवाब नहीं था।
6. धरती **के ऊपर** प्रकृति है।
7. प्रकृति **के भीतर** जीवन है।
8. **वाह!** कितनी सुंदर प्रकृति है।
9. **हाय!** कितना प्रदूषण फैला है।
10. **ओह!** यह क्या हो गया।

i) रेखांकित शब्दों में **और, कि, बल्कि, तो** आदि शब्द, दो शब्दों या दो वाक्यों को जोड़ते हैं। इस तरह प्रयुक्त होने वाले शब्दों को **समुच्चय बोधक** कहते हैं।

© SCERT not to be republished

ii) रेखांकित शब्दों में **के पास, के ऊपर, के भीतर** आदि शब्द स्थान का संबंध प्रकट करते हैं। इन्हें **संबंध बोधक** कहते हैं।

iii) रेखांकित शब्दों में **वाह, हाय, ओह** आदि शब्द आश्चर्य का बोध करते हैं। इन्हें **विस्मयादि बोधक** कहते हैं।

ई) रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित अव्ययों से कीजिए।

(वाह!, के नीचे, और)

1. जंगल में शाकाहारी ..... माँसाहारी जीव-जंतु होते हैं।
2. पेड़ ..... उसकी जड़ें होती हैं।
3. ..... मुझे अच्छे अंक मिले।

परियोजना कार्य

पर्यावरण पर दिया गया कोई भाषण लेख का संकलन कीजिए।

पर्यावरण हमारा रक्षा कवच है। इसका संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है।
- सुंदरलाल बहुगुणा

© SCERT not to be republished

उपवाचक

तारे ज़मीं पर

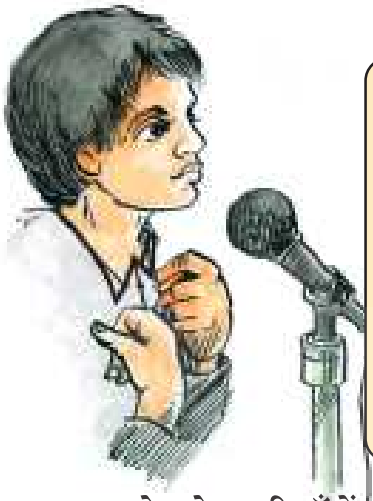

निर्माता-निर्देशक	:	आमिर खान
गीत	:	प्रसून जोशी
संगीत	:	शंकर-अहसान-लॉय
कलाकार	:	आमिर खान, दर्शील सफ़ारी, टिस्का चोपड़ा, विपिन शर्मा, सचेत इंजीनियर।

बच्चे ओस की बूँदों की तरह शुद्ध और पवित्र होते हैं। वे कल के नागरिक हैं। आजकल प्रायः घर-घर से 'टॉपर्स' और 'रैंकर्स' तैयार करने की कोशिश की जा रही है। कई लोग यह नहीं सोचते कि बच्चों के मन में क्या है? वे क्या सोचते हैं? उनके क्या विचार हैं?

इन्हीं प्रश्नों को आमिर ख़ान ने अपनी फिल्म 'तारे ज़मीं पर' में उठाया है। फिल्म की कहानी इस प्रकार है-

आठ वर्षीय ईशान अवस्थी (दर्शील सफ़ारी) का मन पढ़ाई के बजाय कुत्तों, मछलियों और पेंटिंग में लगता है। उसके माता-पिता चाहते हैं कि वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकलता। ईशान घर पर माता-पिता की डाँट खाता है और स्कूल में अध्यापकों की। कोई भी यह जानने की कोशिश नहीं करता कि ईशान पढ़ाई पर ध्यान क्यों नहीं दे रहा है। इसके बजाय वे ईशान को बोर्डिंग स्कूल भेज देते हैं।

खिलखिलाता ईशान वहाँ जाकर मुरझा जाता है। वह हमेशा सहमा और उदास रहने लगता है। उस पर निगाह जाती है 'कला अध्यापक' रामशंकर निकुंभ (आमिर खान) की। निकुंभ सर उसकी उदासी का पता लगाते हैं और उन्हें पता चलता है कि ईशान बहुत प्रतिभाशाली है, लेकिन डिसलेक्सिया की समस्या से पीड़ित है। उसे अक्षरों को पढ़ने में तकलीफ़ होती है। अपने प्यार और दुलार से निकुंभ सर ईशान के अंदर छिपी प्रतिभा सबके सामने लाते हैं।

कहानी सरल है, जिसे आमिर ख़ान ने बेहद प्रतिभाशाली ढंग से परदे पर उतारा है। पटकथा की बुनावट एकदम चुस्त है। छोटे-छोटे भावात्मक दृश्य रखे गये हैं, जो सीधे दिल को छू जाते हैं।

ईशान का स्कूल से भागकर सड़कों पर घूमना, ताज़ी हवा में साँस लेना, बिल्डिंग को कलर होते देखना, फुटपाथ पर रहनेवाले बच्चों को आज़ादी से खेलते देखकर उदास होना, बरफ़ का लड्डू खाना जैसे दृश्यों को देखकर कई लोगों को अपने बचपन की याद ताज़ा हो आती है।

सबसे बड़ी बात यह है कि ईशान के माध्यम से बच्चे में छिपी प्रतिभा सुंदर ढंग से

© NCERT not to be republished

उभारी गयी है। फिल्म के अंत में इसका परिचय ईशान के चित्रकारी से होता है। चित्रकारी प्रतियोगिता में उसे प्रथम पुरस्कार मिलता है। इसी दृश्य में आमिर ने उसकी मासूमियत को अपने चित्र से उभारा है। इस चित्र को भी पुरस्कार दिया जाता है। इस तरह शिष्य अपने अध्यापक की प्रेरणा से किस तरह आगे बढ़ सकता है, इसका प्रमाण ही यह फिल्म है।

ईशान की भूमिका में दर्शील सफ़ारी इस फिल्म की जान है। विश्वास ही नहीं होता कि यह बच्चा अभिनय कर रहा है। मासूम से दिखने वाले इस बच्चे ने भय, क्रोध, उदासी और हास्य के हर भाव को अपने चेहरे से दर्शाया है। शायद इसीलिए उसे संवाद कम दिये गये हैं।

- **प्रश्नः**

1. इशान कैसा बालक है?
2. बच्चों के प्रति निकुंभ सर के विचार कैसे हैं?
3. बच्चों के जीवन में पाठशाला की क्या भूमिका होनी चाहिए?
4. 'तारे ज़मीं पर' समीक्षा का निष्कर्ष क्या है।

बालकों का सर्वांगीण विकास ही शिक्षा है।- महात्मा गाँधी